साहित्य अकादमी पुरस्कार से 23 साहित्यकार हुए सम्मानित

साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित विजेता

नई दिल्ली। साहित्य अकादमी ने शनिवार को साहित्य अकादमी पुरस्कार 2024 विजेताओं को सम्मानित किया। समारोह में प्रख्यात अंग्रेजी नाटककार और रंगव्यक्तित्व महेश दत्तानी मुख्य अतिथि रहे। उन्होंने कहा कि लेखक शब्दों के कारीगर होते हैं और हमारे देश की भाषाई विविधता को बचाए रखने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका है। यह विविधता ही हमारी राष्ट्रीय पहचान भी है और इसको बनाए और बचाए रखना भी जरूरी है।

समारोह में 22 साहित्यकारों को पुरस्कृत किया गया। कन्नड़ के एक साहित्यकार समारोह में आ नहीं पाए। वहीं, बंगला का पुरस्कार घोषित करना अभी बाकी है। पुरस्कार अर्पण समारोह के बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम के अंतर्गत प्रख्यात बांसुरी वादक हरिप्रसाद चौरसिया के भतीजे राकेश चौरसिया का बांसुरी वादन प्रस्तुत किया गया। वहीं, अकादमी के अध्यक्ष माधव कौशिक ने कहा कि साहित्य अकादमी मौजूदा समय में दुनिया के सबसे बड़े प्रकाशन समूह में से एक है। अकादमी की उपाध्यक्ष कुमुद शर्मा ने कहा की रचनाकार एक साधक होता है और अपनी रचना प्रक्रिया में सब

समारोह में पुरस्कृत रचनाकार

समीर तांती (असमिया)

अरन राजा बसुमतारी (बोडो)

(स्वर्गीय) चमन लाल अरोड़ा (डोगरी), इस्तेरीन कीरे (अंग्रेजी)

दिलीप झवेरी (गुजराती)

गगन गिल (हिंदी)

केवी नारायण (कन्नड)

सोहन कौल (कश्मीरी)

मुकेश थळी (कोंकणी)

महेंद्र मलंगिया (मैथिली)

के. जयकुमार (मलयाळम्)

हाओबम सत्यबती देवी (मणिपुरी), सुधीर रसाळ (मराठी), युवा बराल 'अनंत' (नेपाली)

वैष्णव चरण सामल (ओड़िआ)

पॉल कौर (पंजाबी)

मुकुट मणिराज (राजस्थानी)

दीपक कुमार शर्मा (संस्कृत)

महेश्वर सोरेन (संताली)

हूंदराज बलवाणी (सिंधी)

ए आर वेंकटाचलपति (तमिळ)

पेनुगोंडा लक्ष्मीनारायण (तेलुगु)।

कुछ भूल कर कुछ समाज की भलाई के लिए कई रंग बिखेरता है। ब्यूरो